अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्व विज्ञ (वर्ष : 2024) दिनांक : 24.08.2024

समय सीमा : 3 घंटा तृतीय वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

भगवती (खण्ड-3)–70

प्र. 1 कोई पांच पारिभाषिक शब्द लिखें– 5

(क) जीव का शरीर से अथवा शरीर का जीव से पृथक् होने के क्षण को क्या कहते हैं।

(ख) दिशा में जल का अर्ध्य चढ़ाकर फल, पुष्प आदि चुनने वाले।

(ग) आलस्य और प्रमाद के कारण आचार का सम्यक् अनुष्ठान न करने वाला।

(घ) भवधारणीय वैक्रिय शरीर की शक्ति को क्या कहते हैं?

(ड़) हेतु आदि की कसौटी पर खरा उतरने वाला।

(च) वह व्यक्ति जिसने अपना प्रयोजन सिद्ध किया है।

(छ) रस्सी आदि से होने वाला बंध।

(ज) कर्म के क्षयोपशम और क्षय से होने वाला ज्ञान आदि गुणों का लाभ।

प्र. 2 कोई पांच प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए– 5

(क) जैन दृष्टि के अनुसार सृष्टि के दो रूप कौन से हैं?

(ख) जीव को ज्ञानी और अज्ञानी दोनों क्यों कहा गया है?

(ग) निर्युक्ति के अनुसार प्रारम्भिक अवस्था वाला अवधिज्ञानी कौन सी वर्गणा के मध्यवर्ती द्रव्यों को जानता है?

(घ) भगवान महावीर के उत्तरकालीन साहित्य में उल्लिखित पांच श्रमण सम्प्रदाय के नाम लिखें।

(ड़) तैजस शरीर और कार्मण शरीर परितप्त कैसे हो सकते हैं?

(च) पुनर्जन्म की व्यवस्था का मुख्य हेतु क्या है?

(छ) 'लहुकरण जुत्तजोइय' से क्या तात्पर्य है?

(ज) 'अदंड कोदंडिम' शब्द का अर्थ लिखें।

प्र. 3 कोई दस प्रश्नों के उत्तर तीन या चार पंक्तियों में दीजिए– 30

(क) जीव के दो वीर्यों की व्याख्या करें।

(ख) सिद्ध करें कि दस पदार्थों को छद्मस्थ सम्पूर्ण रूप से न जानता है, न देखता है।

(ग) पण्डित वीर्य अलब्धि वाले जीव कितने प्रकार के होते हैं और उनमें किसकी भजना होती है?

(घ) बृहत्कल्प भाष्य के अनुसार केवलज्ञान के लक्षण लिखें।

(ड़) आजीवक के उपासकों में क्या-क्या विशेषताएं थी?

(च) जलने की अपेक्षा से क्रिया की सापेक्षता का वर्णन करें।

(छ) धारणा के पर्यायवाची शब्दों को अर्थ सहित लिखें।

(ज) जम्बूद्वीप में सूर्य कितने उर्ध्व क्षेत्र, अधोक्षेत्र और तिर्यक् क्षेत्र में तपते हैं?

(झ) कार्मण शरीर कर्म से भिन्न किस प्रकार है?

(ञ) आठ कर्मों में परस्पर नियमा व भजना का यंत्र लिखें।

(ट) अर्हत् पार्श्व और श्रमण भगवान महावीर की परम्परा में क्या शासन भेद था?

(ठ) अष्टमंगल का विवेचन करें।

प्र. 4 कोई तीन प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए– 15

(क) अध्यात्म तथा आन्तरिक शुद्धि के सूत्र का यंत्र लिखें।

(ख) तीन प्रदेशी स्कन्ध में कितने व कौन से विकल्प मान्य हैं?

(ग) नौ कषाय बंध के हेतु का वर्णन करें।

(घ) औदरिक शरीर के निर्माण के अंतरकाल का वैकल्पिक रूप क्या है?

(ड़) परीषह उत्पत्ति के कारणों का विवेचन करें।

प्र. 5 अश्रुत्वा पुरूष और श्रुत्वा पुरूष में छः प्रकार की भिन्नताओं का वर्णन करें।

अथवा

लोक की संरचना पर प्रकाश डालें। 15

झीणी चर्चा–30

प्र. 6 कोई दस प्रश्नों के उत्तर एक या दो पंक्ति में दीजिए– 10

(क) मूलपाठ में बतलाए गए संसार-अपरीत के दोनों प्रकारों के विषय में लिखें।

(ख) मुनि किन कारणों से आहार का त्याग करता है?

(ग) तिरछा लोक कितने योजन का है और क्यों?

(घ) सात नयों का नाम लिखें।

(ड़) भरत क्षेत्र के मनुष्य सूर्योदय कब देख पाते हैं?

(च) ईशान तथा सौधर्म देवलोक में अपरिगृहीत देवियों के कितने विमान बतलाए गए हैं?

(छ) श्रीदेवी की योनि को हतगर्भ योनि क्यों कहा गया है?

(ज) प्रथम महाव्रत का छठा भंग कौन सा है?

(झ) पांचों महाव्रतों के कुल कितने भंग होते हैं और कैसे?

(ञ) भगवान महावीर के अनुसार तीर्थ कब तक रहेगा? यह किस आगम में दिया गया है?

(ट) 'सहंस-कोड़ाकोड़-कोड़ी' से क्या तात्पर्य है?

(ठ) 'विशेषग्राही' किसको कहा गया है और क्यों?

प्र. 7 कोई तीन पद्यों का शब्दार्थ करें– 12

(क) मेरू थी पश्चिम तीन सहस्त्र जोजन, जमीं न घटी पछै पड़ी हाण।
बयालीस सहस्त्र जोजन अनुक्रमे कटती, बे विजय उंडी सहंस जोजन परमाण।।

(ख) अतृप्ति थकी मरी उपजे, फूलण पाणी रै मांय।
प्रथम दूजा ताइं रा तिमज, तीसा सुं तिर्यंच थाय।।

(ग) वलि माता पितादिक सेती, पेज्ज-बन्ध न छूटो तेथी।
तिण सूं अभ्यंतरपणै पहिछाण, सामायिक में नहिं पचखाण।।

(घ) एकादश उपयोग किहां? कर पग उत्पत्ति नांहि।
तथा मनपजव अलद्धिये, फुन लोक आंगुली मांहि।।

प्र. 8 मोक्ष के साधक-बाधक का विवेचन करें।

अथवा

ढाल-4 योग का सारांश लिखें। 8